Saarth
E-Journal of Research

ISSN NO: 2395-339X

समावेशी कक्षा मे शिक्षक की भूमिका का अध्ययन

Mr. Ajeet Kumar, Dr. Deepak kumar tripathi*

प्रस्तावना -

शिक्षा जगत मे सदैव शिक्षक की भूमिका रहती है| शिक्षा औपचारिक हो या अनौपचारिक हो लेकिन शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग शिक्षक ही होता है अर्थात शिक्षक शिक्षा का प्रकाश स्तम्भ होता है| जो कि कक्षा- कक्ष मे अपने ज्ञान समझ अनुभव के आधार पर शिक्षा को जन - जन तक प्रदान करते है |वर्तमान समय मे शिक्षा को समावेशी शिक्षा से तात्पर्य है की जहाँ पर अल्पसंख्यक, दिव्यांग, पिछड़े बालक, गरीब, जाती समूह, प्रतिभाशाली, बालिका- बालक आदि को बिना भेदभाव के शिक्षा प्रदान करना ही समवेशी शिक्षा कहलाता है|

समावेशी कक्षा बनाना शिक्षा नीति निर्माताऔ और स्कूल के लिए आसान उपलब्धि नहीं है और शिक्षको कि नियुक्ति व्यवस्था मे विशेष शैक्षिक आवश्यकताऔ वाले छत्रों को शामिल करना भी बहुत्मुश्किल होता है लेकिन हमे समावेशी शिक्षण संस्थान बनाने के लिए स्कूलों को आदर्श बनाना चाहते है, यह निर्भर करता है कि कैसे स्कूल के नेताओ,शिक्षको और नीति निर्माताओ को स्कूल मे समावेशी कक्षा का उपाय करना चाहिए जिससे सभी वर्ग के बच्चे, जो शिक्षा से वंचित है वह चाहे किसी जाती, धर्म, संस्कृति आदि से संबन्धित हो उन सभी को एक कक्षा मे और एक ही विदद्यालय मे शिक्षा प्रदान करना ही समवेशी कक्षा कहलाता है|**(**Avramidis,Bayliss& Burden,2000**)**

समावेशी कक्षा मे शिक्षक अपने छात्रों के जीवन मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है शिक्षकों को उनकी देखभाल मे रखे जाने वाले छात्रों को शिक्षित करने कि भूमिका के लिए जाना जाता है |इसके अलावा, शिक्षक कक्षाओं के स्वर सेट करते है, एक समावेशी कक्षा मे शिक्षकों की यह सुनिश्चित करने में आवश्यक भूमिका होती है की शिक्षा ऐसे वंचित छात्रों के लिए विशेष आवश्यकताओं वाले छात्रों को पाठ्यक्रम संरचना,कक्षा निर्देशन,अधिगम आंकलन, और छात्रों के प्रति अधिवक्ता मे भूमिका होती है |

***Asst. Professor & PhD Scholar Shri Shah K.L. Institute for The Deaf**
Teacher's Training College, Bhavnagar, Gujarat Nehru Gram Bharati University, Prayagraj U.P.

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

अध्ययन की आवश्यकता

समावेशी कक्षा मे विभिन्न प्रकार के बालको को पढ़ने के लिए भूत प्रभावी स्थान होता है और सभी प्रकार के आवश्यकताओ वालो की बच्चो की आवश्यकता को पूरी किया जाता है |अत: समावेशी कक्षा मे शिक्षक का भी बहुत बड़ा योगदान होता है क्योंकि शिक्षक ही बच्चो की सभी प्रकार की जरूरत को जान पाता है|

इस अध्ययन से भी यही ज्ञात करना चाहता है की शिक्षक किस प्रकार से समावेशी शिक्षा में अपनी भूमिका निभाता है |

समस्या कथन

प्रस्तुत लघु-शोध में समस्या कथन है –

समावेशी कक्षा मे शिक्षक की भूमिका का अध्ययन करना

संक्रियात्मक परिभाषा-

- **समावेशी कक्षा-**समावेशी कक्षा वह स्थान होता है जंहा पर सभी प्रकार के बच्चे एक साथ पठन-पाठन एवं शैक्षणिक गतिविधियों से है |
- **शिक्षक-** शिक्षक से आशय है की जो सभी प्रकार के बच्चो को पढ़ाते से है|
- **शिक्षक की भूमिका-** समावेशी कक्षा मे पाठ्यक्रम संरचना,कक्षानिर्देश, अधिगम आंकलन, और बच्चो के प्रति अधिवकता से है |

अध्ययन का उद्देश्य-

- समावेशी कक्षा मे पाठ्यक्रम संरचना मे शिक्षक की भूमिका का अध्ययन करना|
- समावेशी कक्षा मे अधिगम आंकलन मे शिक्षक की भूमिका का अध्ययन करना|
- समावेशी कक्षा मे छात्रो के प्रति अधिवक्ता में शिक्षक की भूमिका का अध्ययन करना|
- समावेशी कक्षा मे कक्षा निर्देशन मे शिक्षक की भूमिका का अध्ययन करना|

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

शोध –प्रश्न-

- क्या समावेशी कक्षा में पाठ्यक्रम संरचना में शिक्षक की भूमिका होती है?
- क्या समावेशी कक्षा में अधिगम आंकलन में शिक्षक की भूमिका होती है?
- क्या समावेशी कक्षा में छात्रों के प्रति अधिवक्ता में शिक्षक की भूमिका होती है?
- क्या समावेशी कक्षा में निर्देशन में शिक्षक की भूमिका होती है?

शोध विधियाँ

- शोधडिजाईन(RESEARCDESIGN)–प्रस्तुत शोध में शोधकर्ता अप्रयोगात्मक शोध डिजाईन का प्रयोग किया है।
- जनसंख्या(POPULATION)- प्रस्तुत शोध में जनसँख्या से तात्पर्य है की समावेशी कक्षामें कार्यरत शिक्षक से है,
- प्रतिदर्श (SAMPLE) - प्रस्तुत लघु-शोध में कुल100कार्यरत शिक्षक को प्रतिदर्श के रूप लिया गया है,
- प्रतिदर्शन[SAMPLING]-प्रस्तुत लघु-शोध में शोधकर्ता उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्शन का प्रयोग किया है|
- उपकरण- प्रस्तुत लधु शोध में शोधकर्ता अध्ययन से संबंधित आंकड़ो को एकत्रित करने के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का प्रयोग किया है|
- आकड़ोकाविश्लेषण- आकड़ो का विश्लेषण हेतु प्रतिशत सांखिकी का प्रयोग किया है|

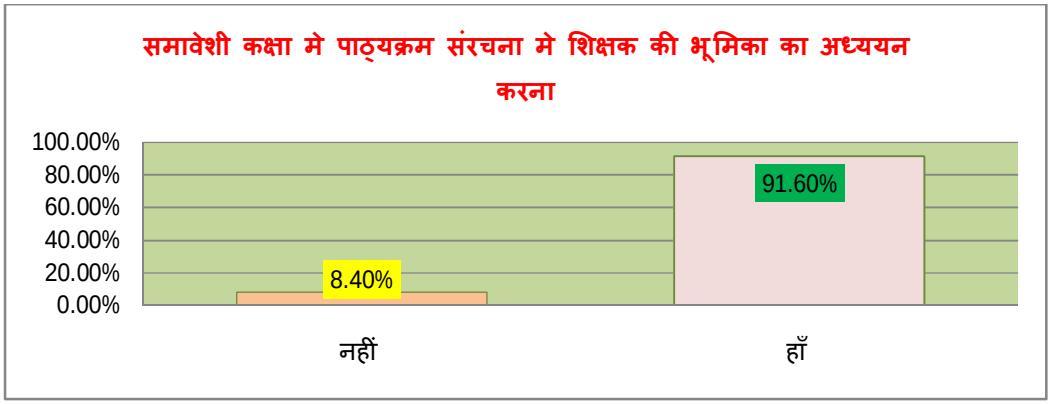

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

(प्रथम सारणी)उपर्युक्त चित्र से स्पस्ट होता है की समावेशी कक्षा में पाठ्यक्रम संरचना में शिक्षक की भूमिका में 91.60% लोगो ने हाँ में प्रतिउत्तर दिया है एवं 8.40%लोगो ने नहीं में प्रतिउत्तर दिया है |

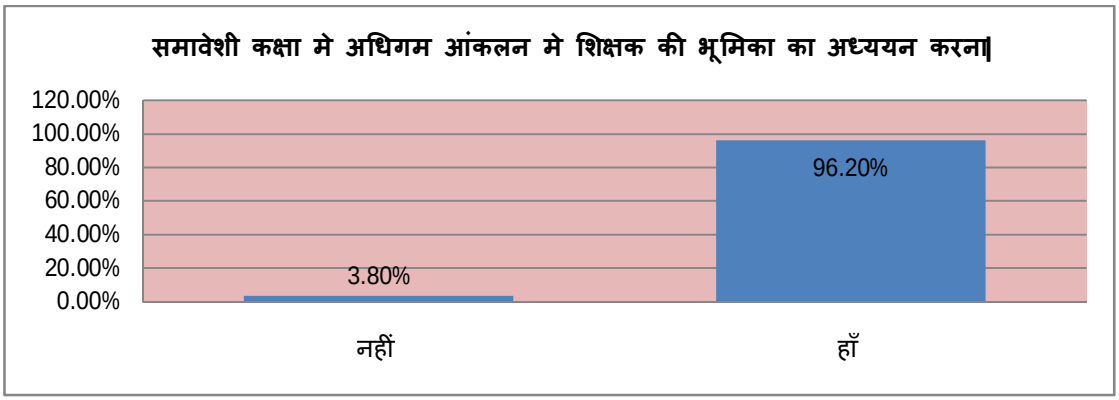

(द्वितीय सारणी)उपर्युक्त द्वितीय सारणी से स्पस्ट होता है की समावेशी कक्षा में अधिगम आंकलन में शिक्षक की भूमिका में 96.20% लोगो ने हाँ में प्रतिउत्तर दिया है एवं 3.80 %लोगो ने नहीं में प्रतिउत्तर दिया है|

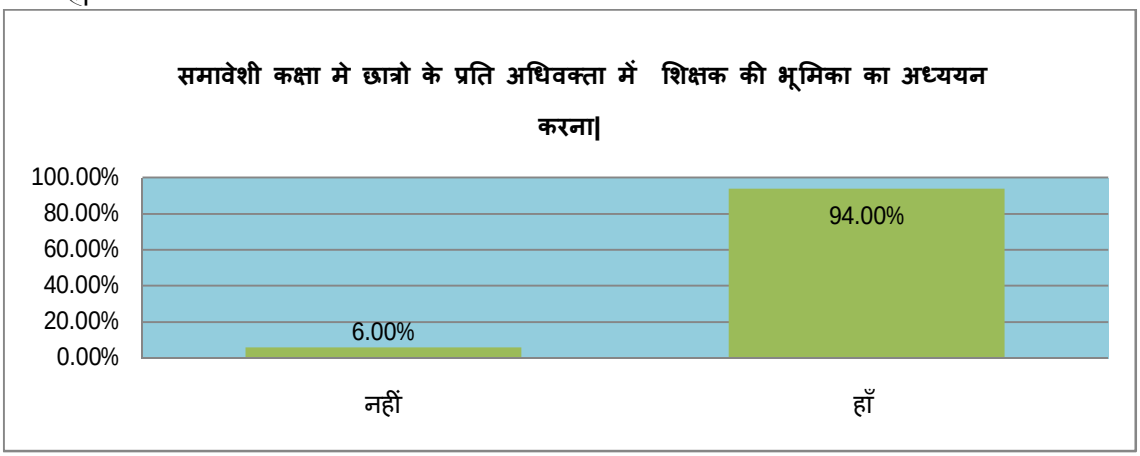

(तृतीय सारणी) उपर्युक्त द्वितीय सारणी से स्पस्ट होता है की समावेशी कक्षा में छात्रों के प्रति अधिवक्ता में शिक्षक की भूमिका में 94.00% लोगो ने हाँ में प्रतिउत्तर दिया है एवं 6.00% लोगो ने नहीं में प्रतिउत्तर दिया है|

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

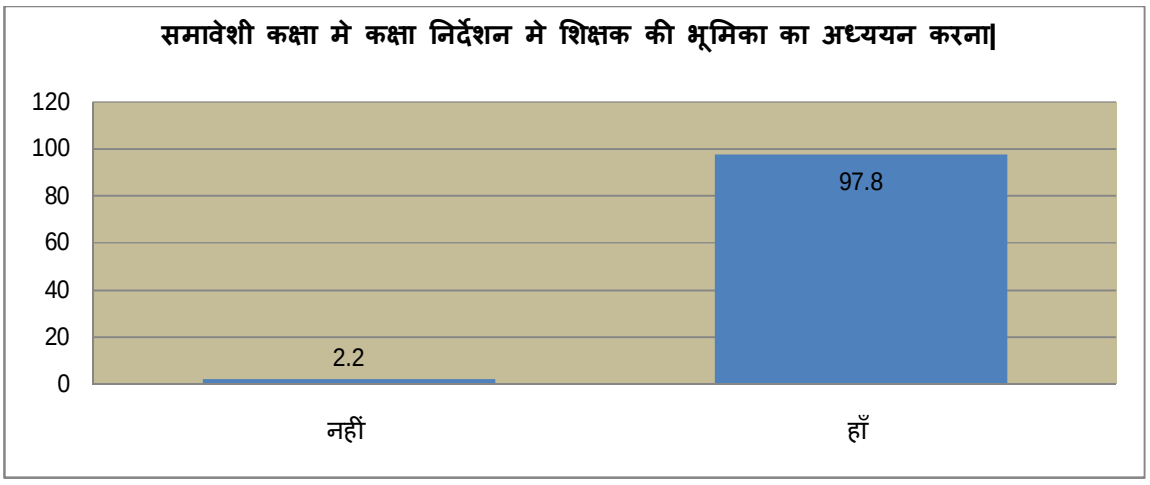

(चतुर्थ सारणी) उपर्युक्त सारणी से स्पस्ट होता है की समावेशी कक्षा में कक्षा निर्देशन में शिक्षक की भूमिका में 97.80% लोगो ने हाँ में प्रतिउत्तर दिया है एवं 2.20% लोगो ने नहीं में प्रतिउत्तर दिया है|

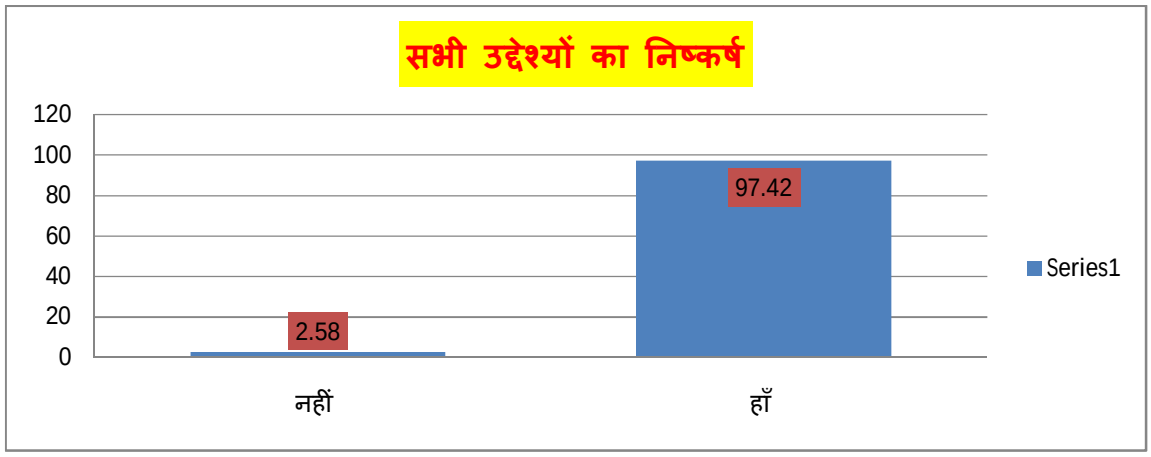

उपर्युक्त सारणी से स्पस्ट होता है की समावेशी कक्षा में शिक्षक की भूमिका में 2.58% लोगो ने नहीं में प्रतिउत्तर दिया है एवं 97.42% लोगो ने हाँ में प्रतिउत्तर दिया है|

8.0 परिसीमन

इस शोध में परिसीमन इस प्रकार है-

- प्रस्तुत शोध में समावेशी शिक्षा को ही चुना गया है|
- प्रस्तुत शोध में प्रतिदर्श का आकार 100 ही लिया गया है|

Saarth
E-Journal of Research
ISSN NO: 2395-339X

- अल्पसंख्यक, दिव्यांग,पिछड़े बालक,गरीब,जाती समूह,प्रतिभाशाली,बालिका- बालक आदि को लिया गया है|

संदर्भ ग्रन्थ-

- ✓ Kuroda, Kazuoet.Al. (2017) Creating an Inclusive Classroom, Major in Policy Analysis of Comparative and International Education.
- ✓ PriyaMonikachachand(2018)Role of teacher in classroom,Ministry of education,eliminating illiteracy, modernizingeducation&streghtening tolerance.
- ✓ Dr.Cheryl Holcomb-Mccoy(2020)The Role of Special Education Teachers in Promoting an Inclusive Classroom: School Of Education, Online Progr
- Chaudhari, Lakshmi. Narayan and Thomson, (2017) "Reviewed Of The RigthsOfPersons With Disabilities Act2016,PublishedByindian journal of psychiatry,,Volume No 59 [1]:pages 17-20.
- Deepa,ChanbasappMetgud et al .[2016] "Awareness among primary caregivers of the differently abled children on Indian Iegislation,, Indian journal of Cerebral palsy Volume No.2 pages 37-39
- Asha and Smritibhargav, [2011]" primary schoolteachers on pwd act 1995 and inclusive of children with special need " inepranational journal of multidisciplinary students ;volume No 1 pages 68-70